3

अलंकार

हमारे हिन्दुस्तानी संगीत में स्वर साधना की अनेक विधियाँ बताई गई हैं। जिनमें से 'सा' साधना, 'आ' साधना, 'ओमकार' साधना तथा इनके साथ-साथ अलंकारों की साधना को भी विशेष रूप से प्रबलता दी गई है। 'अलंकार' का अर्थ 'आभूषण' है। विद्वानों ने उसकी परिभाषा इस प्रकार दी है कि कुछ नियमित वर्णों के समुदाय अलंकार बन जाते हैं। उनको भी आरोह-अवरोह आदि वर्णों की आवश्यकता होती है। प्रचार में गुणीजन अलंकारों को 'पलटों' की संज्ञा भी देते हैं। उदाहरण स्वरूप अलंकार निम्नलिखित हैं, जिन्हें साथ में दिये गये सी.डी. पर सुना जा सकता है।

उद्देश्य

पाठ के अभ्यास के पश्चात् विद्यार्थी :

- स्वरों के अरोही एवं अवरोही क्रम का वर्णन कर सकेंगे;
- उल्लेखित अलंकारों को गा पायेंगे;
- आरोही एवं अवरोही क्रम को उचित रूप से लिख पायेंगे।

अलंकारों को नीचे दिया गया है।

(1) आरोहात्मक क्रम–

सा, रे, ग, म, प, ध, नि, सां।

अवरोहात्मक क्रम–

सां, नि, ध, प, म, ग, रे, सा।

(2) आरोहात्मक क्रम–

सासा, रे रे, ग ग, म म, प प, ध ध, नि नि, सासां।

अवरोहात्मक– सांसां, नि नि, ध ध, प प, म म, ग ग, रे रे, सासा।

(3) आरोहात्मक क्रम–

सा रे ग, रे ग म, ग म प, म प ध, प ध नि, ध नि सां।

अवरोहात्मक क्रम–

सां नि ध, नि ध प, ध प म, प म ग, म ग रे, ग रे सा।

(4) आरोहात्मक क्रम–

सा रे ग म, रे ग म प, ग म प ध, म प ध नि, प ध नि सां।

अवरोहात्मक क्रम–

सां नि ध प, नि ध प म, ध प म ग, प म ग रे, म ग रे सा।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 3.1

खाली जगह भरें

1. हिन्दुस्तानी संगीत में ..... साधना की अनेक विधियाँ बताई गई हैं।
2. अलंकार का अर्थ ..... है।
3. प्रचार में गुणीजन अलंकारों को ..... की संज्ञा भी देते हैं।

---

(5) आरोहात्मक क्रम–

सा रे ग म प, रे ग म प ध, ग म प ध नि, म प ध नि सां,

अवरोहात्मक क्रम–

सां नि ध प म, नि ध प म ग, ध प म ग रे, प म ग रे सा।

(6) आरोहात्मक क्रम–

सा ग, रे म, ग प, म ध, प नि, ध सां।

अवरोहात्मक क्रम–

सां ध, नि प, ध म, प ग, म रे, ग सा।

(7) आरोहात्मक क्रम–

सा म, रे प, ग ध, म नि, प सां।

अवरोहात्मक क्रम–

सां प, नि म, ध ग, प रे, म सा।

(8) आरोहात्मक क्रम–

सा रे सा ग, रे ग रे म, ग म ग प, म प म ध, प ध प नि, ध नि ध सां।

अवरोहात्मक क्रम–

सां नि सां ध, नि ध नि प, ध प ध म, प म प ग, म ग म रे, ग रे ग सा।

(9) आरोहात्मक क्रम–

सा, रे सा, ग रे, म ग, प म, ध प, नि ध, सां नि, रें सां।

अवरोहात्मक क्रम–

सां रें, नि सां, ध नि, प ध, म प, ग म, रे ग, सा रे, नि़ सा।

इन अलंकारों का अभ्यास आकार में भी किया जाना चाहिए तथा कंठ की तैयारी के उपरांत इन्हें समयानुसार लय को बढ़ा-बढ़ाकर प्रतिदिन किया जाना चाहिए।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 3.2

1. स र ग म, प ध नि सां को अवरोहात्मक क्रम से लिखिए।
2. सारे, रेग, गम, मप, पध, धनि, निसा को अवरोहात्मक क्रम में लिखिए।
3. निम्नलिखित स्वरों को आरोही क्रम से लिखिए।

   सांनिध, नि ध प

आपने क्या सीखा

1. अलंकार वह प्रक्रिया है, जिसका प्रयोग बार-बार अभ्यास के लिए किया जाता है।
2. अलंकार का अर्थ है आभूषण।
3. अलंकारों को पल्टा भी कहते हैं।
4. आरोह तथा अवरोह को उचित क्रम में लिखना।

पाठांत प्रश्न

1. अलंकार के विषय में विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. किन्हीं तीन अलंकारों को आरोह-अवरोह क्रम से लिखिए।
3. निम्नलिखित स्वरों को आरोही क्रम से लिखिए-

   सांनिसांध, निधनिय, धपधम, पमपग, मगमरे, गरेगसा

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

3.1

1. अलंकार
2. आभूषण
3. पल्टा

3.2

1. सांनिधप मगरेसा
2. सांनि, निध, धप, पम, मग, ग रे रे सा
3. धनिसा, प ध